कार्यशाला के बारे में

भारत वर्ष में तकनीकी शिक्षा बहुस्तरीय है। विशेषज्ञों का मत है, हमारे देश में दक्षता पूर्ण तकनीकी शिक्षा की वर्तमान आवश्यकता के अनुरूप नहीं है। प्रतिवर्ष केवल 50 - 60 हजार छात्र ही उत्कृष्ट एवं स्थापित तकनीकी संस्थानों में प्रवेश पाते हैं शेष करीब 12 - 15 लाख छात्र मूलभूत संसाधनों से वंचित तकनीकी संस्थानों में प्रवेश लेते हैं।

यूआईईटी,कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र विगत कई वर्षों से उत्कृष्ट तकनीकी शिक्षा के लिए भारत सरकार के टी क्यू आई पी प्रोजेक्ट के माध्यम से बहुत सारे नए आयाम स्थापित किए हैं। इस दिशा में और सघन कार्य करने के उद्देश्य से यू आई ई टी, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र एवम् शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के सहयोग से तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, शिक्षा में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने एवं बदलाव का वातावरण तैयार हेतु यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास विगत कई वर्षों से तकनीकी शिक्षण संस्थानों के साथ मिलकर इस दिशा में प्रयासरत है। वर्ष 2016 से तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता सुधार हेतु न्यास निम्न विषयों पर कार्य कर है -:

-भारतीय ज्ञान परंपरा का तकनीकी शिक्षा में समावेश
-मूल्य आधारित तकनीकी शिक्षा एवं व्यक्तित्व विकास
-पर्यावरण आधारित तकनीकी शिक्षा
-कौशल युक्त, रोजगार उन्मुख, व्यवहारिक तकनीकी शिक्षा
-समाज उपयोगी एवं सहभागिता मूलक तकनीकी शिक्षा एवं शोध
-भारतीय भाषाओं में शिक्षा का विकल्प
-तकनीकी शिक्षा तंत्र की समग्र दृष्टि इत्यादि।

उपरोक्त विषय देश के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में कार्यशालाओ और विचार-विमर्श परिचर्चा के उपरांत चिन्हित किए गए हैं। इन कार्यशालाओ की अनुशंसाओ के आधार पर दिनांक २४ नवंबर 2019 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली में एक दिवसीय कार्यशाला तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता विषय पर आयोजीत किया गया।

इसी श्रंखला में एक कार्यशाला २४-२५ जनवरी २०२० को "तकनीकी शिक्षा प्रबंधन : भावी दिशा" विषय पर निर्धारित किया गया है।

इस कार्यशाला के विषय निम्नलिखित हैं:

- **भारत की वर्तमान बहुस्तरीय तकनीकी शिक्षा व्यवस्था**
- **भारत में वर्तमान तकनीकि शिक्षा नियामक तंत्र**
- **तकनीकी शिक्षा में आर्थिक प्रबंधन**
- **वर्तमान में तकनीकि शिक्षा में प्रवेश प्रक्रिया**
- **भविष्य की संरचना एवं प्रबंधन**

उपरोक्त सभी चिन्हित विषयों पर कार्यशाला के उपरांत विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर तकनीकी शिक्षा का वैकल्पिक प्रारूप तैयार करने हेतु सभी तकनीकी संस्थानों और मानव संसाधन विकास मंत्रालय नई दिल्ली को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रति प्रेषित की जाएगी।

आपके आगमन की प्रतीक्षा में

प्रो. चंद्र चारु त्रिपाठी, निदेशक यूआईई टी, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
cctripathi@kuk.ac.in

यू .अई .ई .टी .कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय

यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र का एक अंशभूत स्वायत शिक्षण विभाग है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हरियाणा का एक प्रमुख विश्वविद्यालय है और नाक एनएएसी ए प्लस ग्रेड से सम्मानित है। एमएचआरडी यूजीसी ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए विश्वविद्यालय को स्वायत्तता प्रदान की है और यह विश्वविद्यालय देश के शीर्ष 10 राजकीय विश्वविद्यालयों में से एक है विश्वविद्यालय हरियाणा के 7जिलों में 53 इंजीनियरिंग कॉलेजों सहित अपने 282 संबद्ध कॉलेजों और संस्थानों के माध्यम से युवाओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय आयन बीम सेंटर जैसे कई उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किए हैं जैसे राष्ट्रीय न्यून तापमान धर्मो क्रोनोलॉजी सेंटर, आर. फ., एम. ई. एम. एस. और लचीला इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र, राष्ट्रीय भूकंप वेधशाला प्रयोगशाला, बायो डीजल इंजनों के लिए कंप्यूटरीकृत परीक्षण केंद्र, आदि, वर्तमान में संस्थान चार बी.टेक. और 6 एम. टेक. और पीएच. डी. विभिन्न विभागों जैसे कि कंप्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, और जैव प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग में प्रदान कर रहा है। इस समय संस्थान में 16 सौ से अधिक छात्र और लगभग 150 शिक्षण और तकनीकी सहायक कर्मचारी समाहित है। संस्थान को एम. एच. आर.डी. टी. क्यू. आई.पी.-२ और टी. क्यू. आई. पी. 3 अनुदान के लिए देश के चुनिंदा संस्थानों में से एक के रूप में चयनकिया गया है। परिणाम स्वरूप संस्थान देश के पहली पंक्ति के संस्थानों में से एक है। संस्थान ने एक सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज जैसे कि इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गोपेश्वर उत्तराखंड, एम.एच.आर.डी. की ट्विनिंग स्कीम के तहत उनके शैक्षणिक विकास के लिए अपना योगदान दे रहा है। संस्थान में उत्तम दर्जे का क्लीन रूम सुविधा और आर एंड डी का बुनियादी ढांचे को विकसित किया गया है। जिसमें प्रमुख फोकस आरफ इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे आर फाई डी टैग, एंटीना, फिल्टर , वाइड बैंड माइक्रोवेव अवशोषण सेंसर आदि विषयों पर उत्कृष्ट शोध करना है।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास

18 मई 2007 को स्थापित न्यास शिक्षा बचाओ आंदोलन समिति (शिक्षा के लिए अभियान समिति) के सहयोग से काम करती है। न्यास का उद्देश्य "भारतीयकरण" के प्रयास में अपने "पाठयक्रम, प्रणाली और नीति" को बदलकर भारत में वर्तमान शिक्षा प्रणाली के विकल्पों को ढूंढना और स्थापित करना है। भारतीय संस्कृति एवं जीवन आदर्शों के अनुरूप शिक्षा दर्शन विकसित करना जिस से अनुप्राणित होकर शिक्षा के लिए समर्पित कार्यकर्ता राष्ट्र के पुनर्निर्माण के पावन लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में विश्वास पूर्वक बढ़ सकें। शिक्षा का ऐसा स्वरूप विकसित करना जिसके माध्यम से भारत की अमूल्य आध्यात्मिक निधि परम सत्य के अनुसंधान में पूर्व पुरुषों के अनुभव एवं गौरवशाली परंपराओं की राष्ट्रीय थाती को वर्तमान पीढ़ी को सौंपा जा सके और उसकी समृद्धि में वह अपना योगदान करने में समर्थ हो सके और उसकी समृद्धि में वह अपना योगदान करने में समर्थ हो सकें। राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर की शैक्षिक संगोष्ठी या एवं परिचर्चायें आयोजित करना तथा शिक्षाविदों एवं विचारकों का सहयोग एवं परामर्श प्राप्त करना। भारत सरकार की राष्ट्रीय शैक्षिक योजनाओं एवं कार्यक्रमों में आवश्यक सहयोग एवं परामर्श प्रदान करना शिक्षा के क्षेत्र में आ रही विकृतियों, भूमंडलीकरण के परिणाम स्वरुप पश्चातयीकरण संस्कृति पर कुठाराघात, जीवन मूल्यों का ह्रास, देश विछेदी प्रयासों का विरोध।

संरक्षक

प्रो कैलाश चन्द्र शर्मा
कुलपति, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय

श्री अतुल कोठारी
सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास
नई दिल्ली

प्रो अनिल सहस्त्रबुद्धे
अध्यक्ष
ऐ आई सी टी ई, नई दिल्ली

प्रेरणास्त्रोत

प्रो पी बी शर्मा
पूर्व कुलपति
दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय, दिल्ली

प्रो के के अग्रवाल
कुलाधिपति
के आर मंगलम विश्वविद्यालय, दिल्ली

प्रो देवी प्रसाद मिश्र
आई आई टी कानपुर

राष्ट्रीय सहलाकर समिति

प्रो सतीश कुमार निदेशक एन आई टी कुरुक्षेत्र
प्रो नवीन सेठ कुलपति गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय, गुजरात
प्रो योगेश सिंह कुलपति डी टी यू दिल्ली
प्रो अनुपम शुक्ला निदेशक आई आई टी पुणे
प्रो गणेशन के निदेशक आई आई आई टी चितूर
प्रो पी कुमार निदेशक एन आई टी दिल्ली
प्रो राजेन्द्र प्रसाद आई आई टी दिल्ली
प्रो वीरेंद्र कुमार विजय आई आई टी दिल्ली
प्रो विवेक कुमार आई आई टी दिल्ली
प्रो गोविंद भार्गव एन आई टी अगरतला

आयोजक समिति

प्रो रवि प्रकाश तिवारी एम एन आई टी प्रयागराज
प्रो राजीव कपूर डी टी यू दिल्ली
डॉ प्रदीप गोयल डी टी यू दिल्ली
प्रो आशुतोष सिंह एन आई टी कुरुक्षेत्र
प्रो सतहंस एन आई टी कुरुक्षेत्र
प्रो शैलेंद्र बाजपेई एन आई टी जालंधर
डॉ निखिल मारीवाला यू आई ई टी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
डॉ प्रणय जैन यू आई ई टी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
डॉ कुलविंदर सिंह यू आई ई टी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
डॉ अनुराधा परिणम यू आई ई टी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
डॉ राजेश दहिया यू आई ई टी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
डॉ संजीव अहूजा यू आई ई टी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
डॉ दीपक सूद यू आई ई टी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
श्री कृष्ण गोपाल यू आई ई टी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय

प्रतिभागियों के लिए पंजीकरण संबंधित लिंक
https://qrs.ly/13axma0

संपर्क के लिए

श्री मनीष कुमार 8295844688

श्री राहुल गुप्ता 8168198283

श्री कृष्णा पांडे 7419089987

प्रो सी.सी. त्रिपाठी
संयोजक,
निदेशक ,यू आई ई टी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
+91-8295299556

प्रो रणजीत प्रसाद
सह संयोजक
एन.आई.टी, जमशेदपुर
+91-8986882563

दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला
तकनीकी शिक्षा प्रबंधन: भावीदिशा
24-25 जनवरी 2020

TEQIP-III

Technical Education Quality Improvement Programe

TWO-Days National Workshop
Technical Education Management and Future Perspective
24-25 Jan 2020

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास
नई दिल्ली

यू आई ई टी,
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय,
कुरुक्षेत्र

के

संयुक्त तत्वाधान में

कार्यशाला स्थान:

श्रीमद् भागवत गीता सदन, सीनेट हॉल,
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र